भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2016

दिनांक 30 जुलाई, 2026 को उत्तरार्थ

.....

बांकुरा जिले में नई जल परियोजना

2016. श्री सौमित्र खानः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का बांकुरा जिले में एक नई जल परियोजना शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजना की वर्तमान स्थिति तथा प्रस्तावित सूक्ष्म बांधों की प्रमुख विशिष्टताओं सहित उनकी अभिकल्पना, क्षमता तथा अनुमानित लाभ क्या हैं;

(ग) उक्त परियोजना से लाभान्वित होने वाले संभावित गांवों की संख्या कितनी है; और

(घ) क्या वर्तमान सिंचाई परियोजना के पूर्ण होने के पश्चात् नदी में गाद जमाव की सूचना प्राप्त हुई है और यदि हां, तो नदी से गाद निष्कर्षण एवं रखरखाव के लिए उत्तरदायी एजेंसी सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ग): जल राज्य का विषय होने के कारण, जल संसाधन परियोजनाओं की योजना, वित्तपोषण, क्रियान्वयन और रखरखाव राज्य सरकारों द्वारा उनके अपने संसाधनों और प्राथमिकताओं के अनुसार स्वयं ही किया जाता है। भारत सरकार की भूमिका तकनीकी सहायता प्रदान करने और चल रही योजनाओं के अंतर्गत चिन्हित परियोजनाओं के लिए आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करने तक सीमित है।

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, वर्तमान में, बांकुरा जिले में सूक्ष्म बांधों/चेक डैमों के निर्माण की कोई प्रस्तावित परियोजना नहीं है।

(घ): राज्य सरकारें बाढ़ प्रबंधन के समग्र पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, संवेदनशील क्षेत्रों, संगम स्थलों आदि के लिए आवश्यकतानुसार गाद निकालने/खुदाई का कार्य करती हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, बांकुरा जिले की कुछ नदियों जैसे अमोदर, गंधेश्वरी और बेराई की क्षमता गाद जमा होने के कारण कम हो गई है। इन तीनों नदियों के 61.25 किलोमीटर लंबे कुछ चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में खुदाई का कार्य "राज्य के लिए निःशुल्क" दृष्टिकोण के तहत किया गया है, जिससे क्षमता में सुधार के साथ-साथ राजस्व भी उत्पन्न होगा।

*****